तापमान
अधिकतम 34 डिग्री
न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि
सरगुजा-कोरिया भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार, 22 अगस्त 2025

[अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज]

2 एनएचएम कर्मियों की हड़ताल से स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित

अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण द्वारा 10th / 12th / स्नातक छात्राओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

भिलाई। संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कमर्चारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते हैं, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत FSDMI BHILAI मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंध पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्धता है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपूर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी ऑफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 पद फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (DRDO), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे हैं संस्था FSDMI भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यर्थियों को सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (SC, ST, OBC, GENERAL) छात्र-छात्राओं संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। **अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: मो. 7697212782 पता: फायर सेफ्टी डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, (निजी संस्थान) इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नजदीक - गदा चौक, सुपेला भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)** Advt.

इच्छुक छात्र आवेदन करें
फायर सेफ्टी के कोर्स
1. एक वर्ष फायर सेफ्टी
2. एक वर्षीय इंडस्ट्रियल सेफ्टी
3. बी.एस.सी फायर सेफ्टी
4. सेनेटरी हेल्थ इंस्पेक्टर
5. एडवांस्ड डिप्लोमा इंडस्ट्रियल सेफ्टी (ADIS)
6. पोस्ट डिप्लोमा इंडस्ट्रियल सेफ्टी (PDIS)
7. सर्टिफिकेट कोर्स फायर एवं सेफ्टी

आसरा इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
जरहाडीह, रघुनाथपुर सरगुजा छ.ग.
मों. 9826156669, 7000288169
B.S.C. नर्सिंग (4 वर्षीय कोर्स)
G.N.M. (3 वर्षीय कोर्स)
स्कॉलरशिप-शासन के नियमानुसार
पता - CTG चांदनी चौक, इनडेन गैस गोदाम के पास, खैरबार रोड, मायापुर अंबिकापुर

श्री शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग
हुडको, भिलाई (छ.ग.)
(2005 से संचालित)
नर्सिंग
B.Sc(N)
M.Sc.(N) P.B.B.Sc.(N)
7489713804, 7869513804
For Online Admission
Visit : www.sscnbhilai.com

खबर संक्षेप

ऋणात्मक शेष प्रकरणों के निराकरण हेतु शिविर आज

अम्बिकापुर। सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) अभिदाताओं के गुमशुदा एवं ऋणात्मक शेष प्रकरणों के निराकरण हेतु बुधवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभागार में शिविर की शुरुआत हुई। यह शिविर 22 अगस्त तक जारी रहेगा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी को उक्त शिविर में कार्यालयीन समय 10 से 5.30 बजे तक उपस्थित होकर संबंधित अभिदाताओं के प्रकरणों का तत्परता से निराकरण कराने कहा है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 30 तक

बलरामपुर। कृषि विभाग के उपसंचालक ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत वर्ष खरीफ 2025 हेतु फसलों का बीमा कराने की अंतिम 30 अगस्त तक निर्धारित किया गया है। राज्य शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले के किसान मुख्य फसल धान सिंचित, धान असिंचित एवं अन्य फसल मक्का, मूंगफल्ली, मूंग, उड़द, सोयाबीन, अरहर, कोदो, कुटकी, रागी का बीमा करा सकते है। किसानों के फसल को प्रतिकूल मौसम, सूखा, बाढ़, जलप्लावन, ओलावृष्टि अन्य प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को होने वाले नुकसान से राहत दिलाने के लिए बीमा में शामिल किए जाने वाले किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत ऋणी एवं अऋणी किसान जो भू-धारक व बटाईदार हो सम्मिलित हो सकते हैं। जो किसान अधिसूचित ग्राम व राजस्व निरीक्षक मंडल में अधिसूचित फसल के लिए वित्तीय संस्थानों से मौसमी कृषि ऋण स्वीकृत, नवीनीकृत की गई हो।

एसडीएम ने पटवारी को किया तत्काल प्रभाव से निलंबित

राजपुर। फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी पाने वाले पटवारी को निलंबित कर दिया गया है। एसडीएम कुसमी द्वारा दिए गये जांच प्रतिवेदन के आधार पर एसडीएम राजपुर ने यह कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि एसडीएम कुसमी द्वारा पटवारी अमरजीत भगत आ. सोभनाथ भगत के जाति प्रमाण पत्र को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही पटवारी के जाति प्रमाण पत्र की जांच राज्य स्तरीय छानबीन समिति में चल रही है। ऐसे में एसडीएम कुसमी के पत्र के आधार पर एसडीएम राजपुर ने अमरजीत भगत पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। अमरजीत भगत के निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय तहसील कार्यालय राजपुर में नियत किया है।

जौराही शासकीय उमावि का मामला

जहर खाकर स्कूल पहुंची 10वीं की छात्रा, करने लगी उल्टियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ वाड्रफनगर

खास बात
- सिविल हॉस्पिटल में चल रहा है उपचार

शासकीय उमावि जौराही में पढ़ने वाली छात्रा जहर खाकर स्कूल पहुंच गई। छात्रा स्कूल आने के बाद उल्टियां करने लगी जिसके बाद स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया। आनन फानन में छात्रा को उपचार के लिए सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। फिलहाल छात्रा द्वारा जहर खाने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

बताया जा रहा है कि रघुनाथनगर अंतर्गत ग्राम चंवरसरई निवासी 16 वर्षीया बालिका शासकीय उच्चतर माध्यमिक जौराही में कक्षा 10वीं की छात्रा है। प्रतिदिन की तरह छात्रा स्कूल पहुंची हुई थी। इस दौरान लगभग 9.45 बजे छात्रा अचानक उल्टियां करने लगी बेहोश हो गई। पहले तो स्कूल के शिक्षकों को कुछ समझ में नहीं आया लेकिन जब उसकी उल्टी से तीखी गंध आने लगी तो उन्हें छात्रा द्वारा जहर खाकर स्कूल आने की आशंका हुई। बच्ची द्वारा जहर खाने की आशंका से स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया।

स्कूल के प्राचार्य राम प्रवेश पटेल ने इस घटना की जानकारी बच्ची की माता को दी गई। बच्ची के परिजन के स्कूल पहुंचने के बाद निजी वाहन से छात्रा को आनन फानन में उपचार के लिए सिविल हॉस्पिटल वाड्रफनगर में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों द्वारा छात्रा का उपचार किया जा रहा है। फिलहाल छात्रा की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। चिकित्सकों द्वारा छात्रा को 48 घंटों के लिए निगरानी में रखा गया है। चिकित्सकों का कहना है कि छात्रा ने कीटनाशक पीया था लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि जहर खाने का कारण क्या है या फिर छात्रा ने घर में या फिर स्कूल के रस्ते में जहर खाया था।

अस्पताल में भर्ती छात्रा।

घर से खाकर आई थी जहर

छात्रा घर से ही कुछ जहरीला पदार्थ खाकर स्कूल आई थी। स्कूल में बच्ची उल्टी करने के साथ ही बेहोश होने लगी जिसके बाद प्राचार्य द्वारा उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमने भी अस्पताल जाकर छात्रा के परिजन से बात की और उसका उपचार शुरू कराया। फिलहाल बच्ची का उपचार अस्पताल में चल रहा है और वह खतरे से बाहर है।
-श्याम किशोर जायसवाल
बीईओ वाड्रफनगर

रखा गया है चिकित्सकीय निगरानी में

छात्रा की हालत अब सामान्य है फिर भी उसे 48 घंटे के लिए चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। बच्ची ने जहर खाया था। चिकित्सक छात्र का उपचार कर रहे है।
-डॉ. बसंत सिंह, सीएमएचओ

नगर से 3 किमी दूर करंजवार में 30 हाथियों के पहुंचने से लोगों में दहशत

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर

- करंजवार वेयर गोदाम सड़क किनारे खेत में लगी फसल को पहुंचाया नुकसान

नगर के समीप 3 किलोमीटर दूर करंजवार प्रतापपुर-अंबिकापुर मार्ग के वेयर गोदाम के पास सड़क किनारे में 30 हाथियों का दल आ पहुंचा। हाथियों के दल ने रात में सड़क किनारे खेतो में लगाई धान की फसल रौंद दिया। इधर हाथियों की चिंघाड़ से पूरा क्षेत्र दहशत में रहा। इस बीच हाथी सड़क किनारे तक पहुंचा था।

प्रतापपुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग में देर रात 30 हाथियों का दल पहुंच गया जिसकी जानकारी लगते ही वन विभाग की टीम द्वारा रात 11 बजे से लोगों को सतर्क करना शुरू कर दिया तथा वाहनों सवार लोगों को सुरक्षित तरीके से पार कराया। पैदल या साइकिल चलने वाले लोगों को अलाउंस करके दोनों और रोक दिया था। इधर नगर से महज 3 किलो मीटर दूर भारी संख्या में हाथी आ जाने के कारण लोग दहशत मे आ गए। पूरी रात लोगों में दहशत बना रहा। भारी संख्या में हाथी आ जाने के कारण प्रतापपुर के सीमावर्ती ग्राम करंजवार, सरहरी, खुरमा, खैरा दाढ़ सहित कई गांवों को सतर्क किया जा रहा है। प्रतापपुर में हाथी शहर के करीब पहुंच जाने की खबर से लोगों में हड़कंप मच गया। हाथी सड़क किनारे बार-बार आ जाते है क्योंकि इस स्थान पर हाथी करीब 30 वर्षों से जानते है। आपको बता दे की अचानक से बुधवार की शाम से 30 हाथियों का दल बहुत जाने के कारण प्रतापपुर क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं है क्योंकि कई बार यह हाथी प्रतापपुर में पहुंच चुके है। हाथी के साथ शावक हाथी भी देखे गए है। हाथियों की आने की भनक लगते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक दल में 30 हाथी है। अभी तक किसी प्रकार का जान माल का क्षति नहीं पहुंचाया गया है मगर फसलों को नुकसान कर दिया गया है। वन विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि हाथियों की निगरानी रखी जा रही है।

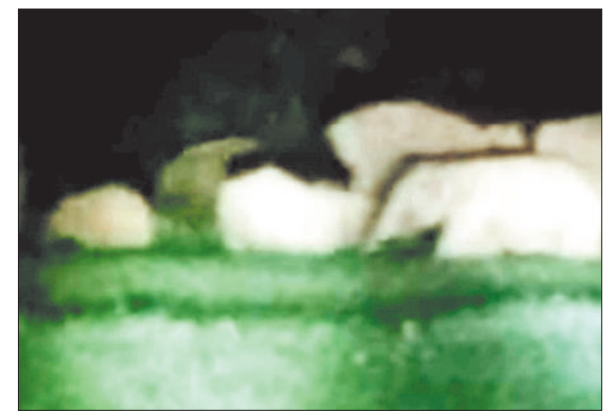

खेत में मजौद हाथियों का दल।

इन किसानों के फसलों को पहुंचाया नुकसान

बुधवार की शाम अचानक करंजवार मुख्य मार्ग के समीप 30 हाथियों के दल के पहुंच जाने से लोग दहशत में आ गए। हाथियों के दल ने सड़क किनार स्थित किसान प्रफल्ल गुप्ता, सत्येन्द्र पैकरा, सरपंच विक्रम सिंह सहित अन्य किसानों के खेतों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचाया। वन विभाग के टीम द्वारा नुकसान हुए फसलों का मुआयना करेगी।

पुलिस विभाग को मिले नए 15 वाहन एसपी ने हरीझंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

जिले की पुलिस को शसक्त बनाने के लिए नवीन शासकीय वाहन उपलब्ध कराए गए है। बलरामपुर पुलिस को कुल 15 नए वाहन दिए गये है जिनकी मदद से पुलिस द्वारा जिले में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम किया जाएगा। गुरुवार को एसपी वैभव बैंकर रमनलाल ने पूजा अर्चना के बाद वाहनों को हरीझंडी दिखाकर रवाना किया।

बता दें कि पुलिस मुख्यालय द्वारा बलरामपुर जिले को कुल 15 हल्के चार पहिया वाहन आबंटित किए गए थे। शासन द्वारा आबंटित इन वाहनों को एसपी वैभव बैंकर रमनलाल ने एएसपी विश्व दीपक त्रिपाठी, रक्षित निरीक्षक विमलेश कुमार देवांगन व एमपी उप निरीक्षक संतोष प्रसाद, सउनि अभिमन्यु सिंह की मौजूदगी में पूजा अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन जिले के 14 थाना-चौकियों को प्रदान किए गये है। इस दौरान एसपी श्री बैंकर ने कहा कि इन नवीन वाहनों से पुलिस को कानून व्यवस्था के सफल संचालन, विभागीय कसावट, थाना को कार्य के दौरान सहूलियत के मद्देनजर तथा ड्यूटी के संबंध में प्रभारियों व वाहन चालकों को निर्देशित करते हुए वाहन उपलब्ध कराई गई है।

बांध में नहाने गए युवक की डूबने से हुई मौत, एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी

सीतापुर। परिवार के साथ नहाने के लिए आया युवक बांध में डूब गया। घटना के दौरान युवक के परिजन ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा एसडीआरएफ की मदद से पानी में डूबे युवक की तलाशी के लिए अभियान चलाया गया लेकिन देर शाम तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है। इस घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है और परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। अधिकारी शुक्रवार से पुनः सर्च अभियान चलाने की बात कह रहे है।

बताया जा रहा है कि क्षेत्र अंतर्गत गाम बंगरकालो जामढोढ़ी निवासी 32 वर्षीय सुलेश मरावी आ अंतराम मरावी दोपहर लगभग 1 बजे के अपनी मां, बहन-बहनोई एवं बेटे के साथ कोटछाल बांध में नहाने गया हुआ था। नहाने के दौरान वो फिसलकर बांध के गहरे पानी मे गिर गया और डूबने लगा। युवक के पानी में गिरने के बाद बहनोई ने उसे बचाने की भरसक कोशिश की पर सफल नहीं हुए। देखते भर में युवक गहरे पानी में समाते हुए आंखों से ओझल हो गया। इस घटना की खबर मिलने के बाद गांव से काफी लोग मौके पर पहुंचे और कुछ तैराक किस्म के लोग अपने स्तर से बांध में उसे तलाशने की कोशिश की पर वो भी सफल नहीं हुए। इसी बीच घटना की सूचना पर थाना प्रभारी गौरव कुमार पांडेय दलबल समेत घटनास्थल पहुंचे और लोगों की भीड़ को नियंत्रित किया। घटना के लगभग दो घंटे बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच पाई और सर्च अभियान शुरू किया। काफी देर तक तलाशी के बाद भी जब युवक का कोई सुराग नही लगा तब गोताखोर की टीम को पानी में उतारा गया। गोताखोर की टीम ने भी काफी देर तक पानी के अंदर युवक को तलाश पर कोई सुराग हाथ नही लगा। घंटो चली तलाशी अभियान के दौरान अंधेरा होने के बाद भी एसडीआरएफ की टीम ने हिम्मत नही हारी और बांध में युवक को तलाशती रही, जब काफी अंधेरा हो गया और तलाशी अभियान में दिक्कतें आने लगी तब एसडीआरएफ को मजबूरी में अपना तलाशी अभियान रोकना पड़ा। बांध में डूबने के बाद मृतक का शव नही मिलने से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। वही इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है। इस संबंध में थाना प्रभारी गौरव कुमार पांडेय ने बताया कि एसडीआरएफ टीम की घंटो मशक्कत के बाद भी युवक का शव नहीं मिल पाया। रात को एसडीआरएफ की टीम गांव में ही रहेगी ताकि अगले दिन फिर से बांध में तलाशी अभियान चलाया जा सके।

रूल से मारकार बच्ची का पैर फ्रेक्चर करने वाला प्रधान पाठक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ शंकरगढ़

- जांच के बाद पुलिस ने की कार्रवाई

मामूली सी बात पर छात्रा को रूल से मारकार पैर फ्रेक्चर करने वाले शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बीईओ की शिकायत के बाद जांच व कक्षा में बच्चों के बयान के आधार पर यह कार्रवाई की है। प्रधान पाठक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

बता दें कि कंजिया प्राथमिक शाला में पढ़ने वाली कक्षा 2री की छात्रा जगिमा-पटना निवासी ललिता यादव आ. शिव कुमार यादव को स्कूल के प्रधान पाठक हीरालेआस टोप्पो ने मामूली सी विवाद पर लकड़ी के रूल से पैर में मार दिया था। इस घटना के बाद बच्ची की तबियत बिगड़ गई और उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्ची के पैर में फ्रैक्चर आ गया था। बच्ची के साथ मारपीट की इस घटना की जानकारी सामने आने पर हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद डीईओ डीएन मिश्रा ने मामले की जांच के निर्देश दिए थे। डीईओ के निर्देश पर बीईओ जय गोविन्द तिवारी ने मामले की जांच की और जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रधान पाठक के खिलाफ अपराध दर्ज करने के लिए आवेदन दिया था। जांच में इस बात की पुष्टि हुई की कक्षा में जवाब नहीं देने को लेकर प्रधान पाठक हीरालेआस टोप्पो ने 25 जुलाई बच्ची के पैर पर डंडे से मारा था। बेरहमी से की गई इस पिटाई से ही बच्ची का पैर फ्रेक्चर हुआ। ऐसे में पुलिस ने आरोपी प्रधान पाठक कंजिया नवापारा निवासी 55 वर्षीय हीरालेआस टोप्पो आ. अल्बर्ट टोप्पो को बीएनएस की धारा 115 (2) एवं किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 75, 82 के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी शंकरगढ़ जितेन्द्र जायसवाल ने बताया कि प्रधान पाठक को गिरफ्तार कर लिया है और घटना में प्रयुक्त लकड़ी के रूल को भी जब्त किया गया है।

बैंक खाता खोलते समय खाता धारक की पूरी जांच-पड़ताल करने के निर्देश

पुलिस और बैंक अधिकारी रोकेंगे साइबर अपराध : एसएसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

पुलिस कार्यालय सभाकक्ष में नगर के समस्त बैंक शाखा प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य साइबर अपराध की रोकथाम, पुलिस-बैंक कर्मियों के बीच सामंजस्य बढ़ाने, बैंकिंग प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना था।

बैठक में एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि साइबर अपराधियों को पकड़ने में बैंक की भूमिका बेहद अहम होती है। यदि किसी भी मामले में बैंक से जानकारी देने में विलंब होता है, तो अपराधी के फरार होने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया कि पुलिस द्वारा मांगी गई जानकारी शीघ्रता से उपलब्ध कराई जाए, ताकि अपराध की समय पर जांच और कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैंक खाता खोलते समय पूरी जांच-पड़ताल की जाए। ग्राहक के दस्तावेजों की पुष्टि, प्रारंभिक पूछताछ और समुचित संतुष्टि के बाद और संबंधित व्यक्ति की मौजूदगी में ही खाता खोला जाए, खाता खोलते वक्त आधार से लिंक मोबाईल नंबर लिए जाए ताकि सही व्यक्ति का बैंक खाता में मोबाईल नंबर दर्ज हो। संदिग्ध लेन-देन की सूचना पर फौरन एक्शन लेते हुए खाता होल्ड की जाए, लोन लेने के लिए व्यक्ति यदि किसी अन्य व्यक्ति को अधिकृत करता है तो लोन स्वीकृत करने से पहले जिस व्यक्ति के नाम से लोन स्वीकृत किया जा रहा है उसे बैंक बुलाकर तस्दीक की जाए। किसी संदिग्ध खाते में अत्यधिक लेने-देन या कोई बड़ी ट्रान्जेक्शन पर नजर बनाए रखे और पुलिस को सूचित करने के निर्देश दिए। यह कदम साइबर बैंकिंग फ्राड और गलत उद्देश्य से खोले गए खाते को रोकने के लिए आवश्यक है। उन्होने कहा कि नागरिकों को समझना होगा कि कोई देर रात फोन कर बैंक खाता बंद होने की बात कहता है तो वह साइबर अपराधी है।

उन्होने कहा कि बैंक के अंदर व बाहर दृश्य भाग पर साइबर अपराध से बचाव की जानकारी हेतु फ्लैक्स चश्पा कराए ताकि लोग उसे पढ़कर जागरूक हो, साथ ही सभी बैंक में पुलिस थाना, चौकी व पुलिस कंट्रोल रूम का नंबर, संबंधित थाना-चौकी प्रभारी आदि का मोबाईल नंबर बैंक में लिखवाए जिससे उस पर आसानी से नजर जा सके।

जिले की सभी ग्राम पंचायतों 26 तक होगी ग्राम सभा

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ अनुसूचित क्षेत्र की ग्रामसभा (गठन सम्मिलन की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन) नियम 1998 के नियम 6 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में 20 से 26 अगस्त 2025 तक ग्राम सभा का आयोजन करने के निर्देश दिये हैं। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 6 (2) (क) के तहत गणपूर्ति के साथ-साथ ग्राम सभा में सदस्यों की शत-प्रतिशत उपस्थिति करवाने का दायित्व सचिव, सरपंच एवं पंच का होगा। ग्राम सभा की कार्यवाही छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 ख (3) एवं छत्तीसगढ़ पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्र पर विस्तार) नियम 2022 के अनुसार संचालित होगी। ग्राम सभा की बैठक में ग्राम सभा की पूर्व बैठक में पारित संकल्पों के क्रियान्वयन, पंचायतों के विगत तिमाही आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन, पिछली वर्ष में विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत कार्य के नाम, प्राप्त राशि, स्वीकृत राशि, व्यय राशि एवं कार्य की अद्यतन स्थित का वाचन, महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजनांतर्गत ग्राम पंचायतों में ग्रामीण परिवारों द्वारा रोजगार की मांग तथा उपलब्ध कराये गये रोजगार की स्थिति की समीक्षा, पेंशन योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित प्रकरणों के लंबित, निराकृत, एवं वितरित प्रमाण-पत्रों की जानकारी, मौसमी बीमारियों को निदान एवं निवारण पर चर्चा एवं जागरूकता, राजस्व स्त्रोतों में वृद्धि के उपायों पर चर्चा, एचाईव्ही फेलने के कारणों और बचने के उपाय, नवीनीकरण ऊर्जा योजनाओं को बढ़ावा देना, आवारा पशुओं का प्रबंधन, पंचायत उन्नति सूचकांक, स्वच्छता शपथ, ओ.डी.एफ. प्लस मॉडल ग्रामों को प्रस्ताव, स्वच्छता शुल्क का प्रस्ताव, सिंगल यूज प्लास्टिक पर जागरूकता सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

खबर संक्षेप

प्रधान जिला न्यायाधीश तिवारी ने ली बैठक

बैकुण्ठपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को किया जाएगा। इस लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण सौहार्दपूर्ण माहौल में किया जाएगा। लोक अदालत में आपराधिक, दीवानी, मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण, बैंक एवं बिजली संबंधी मामले, निष्पादन, पारिवारिक प्रकरण तथा बैंक से जुड़े वे मामले भी रखे जाएंगे जो अभी न्यायालय में पेश नहीं हुए हैं। इसी कड़ी में गुरूवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शैलेश कुमार तिवारी ने अधिवक्ता संघ के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में अधिवक्ताओं से सुझाव भी आमंत्रित किए गए। बैठक में जिला न्यायाधीश एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर कुजूर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती साक्षी दीक्षित, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी श्रीमती प्रेरणा अहिरे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा सहित अधिवक्ता संघ के सचिव मृत्युंजय तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष गुप्ता, लीगल डिफेंस कौंसिल के चीफ अजय सिंह, पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

जिले को मिली 3 सदनों के निर्माण की स्वीकृति

मनेन्द्रगढ़। प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने, सामाजिक कार्यक्रमों में सामूहिक भागीदारी तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाना है। शुरूआती चरण में राज्य सरकार ने 166 महतारी सदन के निर्माण की अनुमति प्रदान कर दी है। शुरूआती चरण में 166 में से तीन महतारी सदन मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के लिए भी स्वीकृत किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार जिले के दुग्गी, कटकोना और ठग्गांव ग्राम पंचायत में महतारी सदन के निर्माण की स्वीकृति मिली है। प्रत्येक महतारी सदन के लिए 30-30 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक महतारी सदन 2500 वर्गफुट में बनेगा। इसमें कमरा, बरामदा, हाल, किचन, स्टोर रूम, पेयजल के लिए ट्यूबवेल और सामुदायिक शौचालय जैसी सुविधाएं होंगी। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने मनेन्द्रगढ़ की तीन ग्राम पंचायतों को पहले चरण में महतारी सदन की स्वीकृति देने के लिए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का आभार प्रकट किया है।

बैंक खातों में आधार लिंक्ड कराना अनिवार्य

बैकुण्ठपुर। छग शासन ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान विक्रय की राशि सीधे किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में ट्रांसफर करने का फैसला गया लिया है, कोरिया जिले को राज्य में मॉडल जिले के रूप में चयनित किया गया है। समितियों के द्वारा धान बेचने वाले पंजीकृत किसानों से आधार लिंक कराने के लिए सहमति पत्र प्राप्त किए जा रहा हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिले में पंजीकृत किसानों की संख्या 23,117 है, इनमें से धान विक्रय करने वाले किसानों की संख्या 20,316 तथा आधार से लिंक खातों की संख्या 1,873 और आधार लिंक किए जाने वाले खातों की संख्या 18,443 है।

समर्थन देने पहुंचे पूर्व विधायक गुलाब कमरो

एनएचएम कर्मियों की हड़ताल से स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मनेन्द्रगढ़

समर्थन देने पहुंचे पूर्व विधायक गुलाब कमरो।

छग प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ की 10 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहे प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल को गुरूवार को नया बल मिला। भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो हड़ताल स्थल पर पहुंचे और कर्मचारियों की मांगों का खुलकर समर्थन किया। उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामनरेश पटेल भी मौजूद रहे।

एनएचएम कर्मचारी लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलनरत हैं। उनका कहना है कि जब तक सरकार उनकी सभी मांगों को स्वीकार नहीं करती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। कर्मचारियों की 10 सूत्रीय मांगों में प्रमुख रूप से नियमितीकरण, समान कार्य समान वेतन, सेवा सुरक्षा, वरिष्ठता का लाभ, अवकाश व मातृत्व सुविधा, सेवा नियमावली, संविदा भर्ती पर रोक, सातवें वेतनमान का लाभ, सामाजिक सुरक्षा (बीमा-पेंशन) और समय पर वेतन भुगतान शामिल हैं। हड़ताल स्थल पर पहुंचकर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि एनएचएम कर्मचारी प्रदेश की रीढ़ हैं।

ग्रामीण इलाकों से लेकर शहर तक स्वास्थ्य सेवाएं इन्हीं के भरोसे चल रही हैं। इनकी जायज मांगों को सरकार को तुरंत स्वीकार करना चाहिए। जब तक कर्मचारियों को न्याय नहीं मिलता, हम इनके साथ खड़े रहेंगे। वहीं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामनरेश पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कर्मियों को हड़ताल पर बैठना पड़े, यह सरकार की नाकामी है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बैकुंठपुर के वैद्यराज शुक्ला सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

- रायपुर में 19 अगस्त को किया गया सम्मान

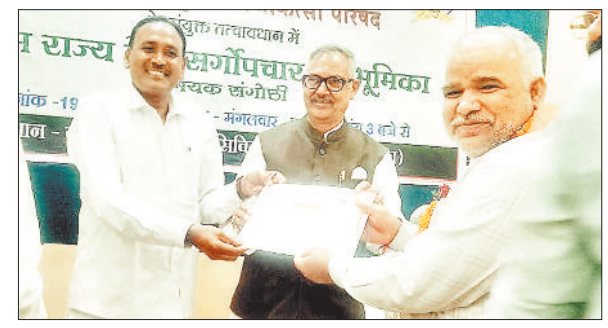

सम्मानित होते वैद्यराज अरुण कुमार शुक्ला

अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद राजघाट नई दिल्ली, अंतरराष्टीय नेचुरोपैथी चिकित्सा ऑर्गनाइजेशन तथा आयुष मंत्रालय दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 6 से 21 जून तक योग रथ के माध्यम से पूरे बैकुंठपुर व कोरिया जिले के गांव-गांव तथा वनांचल क्षेत्रों में योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं आयुर्वेदिक वनस्पतियों के प्रचार-प्रसार का अभियान चलाया गया।

इस सराहनीय कार्य की उपलब्धि पर 21 से 23 जुलाई तक प्रगति मैदान दिल्ली में आयोजित आरोग्य संवाद कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय नेचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष आनंद बिरादर, आयुष मंत्रालय दिल्ली के सचिव श्री श्रीवास्तव एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा बैकुंठपुर के वैद्यराज पंडित अरूण कुमार शुक्ला को सम्मानित किया गया। इसीक्रम में 19 अगस्त को रायपुर स्थित बृंदावन हाल, सिविल लाइन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, डॉ. छगनलाल सोनवानी व अन्य सदस्यों द्वारा भी वैद्यराज पंडित अरुण कुमार शुक्ला को सम्मान प्रदान किया गया। उनके इस योगदान से छग ही नहीं बल्कि पूरे देश में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केक्षेत्र में एक नई दिशा प्राप्त हुई है।

कोटपा के तहत बड़ी चालानी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मनेन्द्रगढ़

- वसूली 1850 रूपए

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में राष्टीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिले में सघन प्रवर्तन अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत ब्लॉक मनेन्द्रगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेन्द्रगढ़, जिला न्यायालय परिसर, स्कूल, तहसील कार्यालय परिसर और खोंगापानी क्षेत्र के किराना दुकानों, चाय-पान ठेलों, गुमठियों एवं अन्य प्रतिष्ठानों पर सिगरेट एवं तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा 2003) का उल्लंघन पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की गई। तहसीलदार सुश्री श्रुति धुर्वे के नेतृत्व में गठित जिला प्रवर्तन दल में राजस्व विभाग से माल जमादार बलवंत सिंह यादव एवं अन्य कर्मचारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता, औषधि निरीक्षक आलोक मिंज एवं विकास लकड़ा, स्वास्थ्य विभाग से सुश्री लक्ष्मी रजक तथा पुलिस विभाग से हेमंत सिंह शामिल थे। इस संयुक्त टीम ने जांच के दौरान पान व किराना दुकानों पर बिना चेतावनी चिन्ह के तंबाकू उत्पाद बिकते पाए, जो कि कोटपा अधिनियम की धारा 4 एवं 6 का उल्लंघन है। कार्रवाई के अंतर्गत कुल 12 चालान काटे गए और 1850 रूपए की वसूली की गई। इस अवसर पर दुकानदारों एवं ग्राहकों को अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराते हुए यह चेतावनी भी दी गई कि भविष्य में प्रतिबंधित पदार्थों की बिक्री पाए जाने पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डंपर की चपेट में आकर कालरी कर्मचारी की मौत

बिजुरी। मप्र के अनूपपुर जिला अंतर्गत कोयलांचल बिजुरी में गुरूवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बहेराबांध भूमिगत कालरी में कार्यरत 55 वर्षीय एडीएम ऑपरेटर दारा सिंह का डंपर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब मृतक कॉलरी कर्मी अपनी ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे थे। घटना के संबंध में सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कॉलरी कर्मी दारा सिंह उम्र 55 वर्ष घटना दिवस 21 अगस्त को अपनी रात की शिफ्ट खत्म कर सुबह लगभग 7 बजे अपनी मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। इसी दौरान कालरी से कुछ ही दूरी पर, सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर डंफर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि दारा सिंह वाहन सहित डंपर में फंस गए और मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंफर अनियंत्रित होकर पलट गया और आरोपी डंफर चालक मौके से फरार हो गया। इस हृदय विदारक घटना की खबर मिलते ही, स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजुरी पुलिस और कालरी प्रबंधन को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को निकाला और पीएम के लिए बिजुरी शासकीय अस्पताल भेज दिया।

गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल

बिजुरी। जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 6 माइंस कॉलोनी में रविवार रात गोलीकांड की घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 अगस्त की रात्रि लगभग 9 बजे माइनस कॉलोनी स्थित एक बिरयानी सेंटर पर एक युवक पहुंचा और सरफराज के साथ विवाद करने लगा। देखते ही देखते युवक ने उस पर गोली चला दी। गोली सरफराज के पैर में लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, इससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही बिजुरी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घायल सरफराज को तत्काल केंद्रीय चिकित्सालय मनेन्द्रगढ़ भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी का नाम क्रिस केवट है।

मनेन्द्रगढ़ में बनेगा 220 बिस्तर का आधुनिक अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मनेन्द्रगढ़

भाजपा सरकार के 18 महीने बनाम कांग्रेस सरकार के 5 साल

भाजपा सरकार- (2023 से अब तक 18 महीने)
नया रायपुर में 700 बिस्तर का एकीकृत अस्पताल स्वीकृत, मनेन्द्रगढ़ में 220 बिस्तर का नया अस्पताल स्वीकृत।
- बस्तर और सरगुजा में सुपर स्पेशलिटी सेवाओं का विस्तार।
- 100 से अधिक स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन।
- सिकल सेल, कैंसर और मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर विशेष योजनाएं लागू।

कांग्रेस सरकार- (2018-2023 पूरे 5 साल)
- कोई नया मेडिकल कॉलेज शुरू नहीं
- बड़े अस्पतालों का निर्माण कार्य ठप।
- मनेन्द्रगढ़ समेत कई पिछड़े क्षेत्रों की अनदेखी।
- स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार पर ठोस कार्य नदारद। भाजपा सरकार ने मात्र 18 महीनों में वह काम कर दिया है, जो कांग्रेस पूरे पांच सालों में नहीं कर पाई।

छग की भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेन्द्रगढ़ में 220 बिस्तर के नए अस्पताल के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना पर 35 करोड़ 36 लाख 52 हजार रूपए व्यय किए जाएंगे।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट प्रावधान से इस राशि को मंजूरी दी गई है। आदेश जारी करते हुए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने स्पष्ट किया कि अस्पताल भवन निर्माण को प्राथमिकता में रखते हुए शीघ्र कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मनेन्द्रगढ़ लंबे समय तक स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से उपेक्षित रहा है। जब प्रदेश में भाजपा की सरकार रही, तब यहां स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया गया, लेकिन कांग्रेस शासनकाल में फिर से मनेन्द्रगढ़ की अनदेखी हुई। भाजपा सरकार की संवेदनशीलता और संकल्प का ही परिणाम है कि अब यहां 220 बिस्तर का बड़ा अस्पताल बनने जा रहा है। हमारी सरकार ने ठाना है कि प्रदेश के किसी भी हिस्से को उपेक्षित नहीं रहने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि धरातल पर काम करके जनता को राहत पहुंचाना है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में बनने वाला यह अस्पताल भाजपा सरकार की दूरदर्शी नीति और जनहित के प्रति समर्पण का प्रमाण है। कांग्रेस शासनकाल में जहां स्वास्थ्य सेवाओं की अनदेखी हुई, वहीं भाजपा सरकार आने के बाद प्रदेशभर में अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य संस्थानों का जाल बिछाया जा रहा है।

आम जनता का स्वास्थ्य जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता

मनेन्द्रगढ़। नगर के जनप्रतिनिधि इन दिनों केवल विकास की बात नहीं कर रहे, बल्कि शहरवासियों के स्वास्थ्य को अपनी सबसे बड़ी जिम्मेदारी मानकर काम कर रहे हैं। गुरूवार को नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा सरजू यादव, सीएमओ इशहाक खान और जल विभाग के सभापति दयाशंकर यादव ने स्वयं फिल्टर प्लांट पहुंचकर सफाई अभियान की अगुवाई की।

साइबर सुरक्षा और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

मनेन्द्रगढ़। छग रजत जयंती महोत्सव की श्रृंखला और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आज मिडिल स्कूल चनवारीडांड में बालिकाओं के लिए विशेष जागरूकता एवं प्रतियोगिता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

यह आयोजन कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार खाती के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा मिशन शक्ति (हब) द्वारा किया गया। आयोजन का प्रमुख उद्देश्य बालिकाओं को साइबर सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराना और उन्हें डिजिटल युग में सुरक्षित बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल और जागरूकता से सशक्त करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने छात्राओं को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी तथा सोशल मीडिया से संबंधित संभावित खतरों और उनके बचाव के उपायों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्हें आपातकालीन सेवाओं जैसे 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा और 1930 साइबर फ्रॉड शिकायत हेल्पलाइन के बारे में भी अवगत कराया गया।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा.प्र.क्र./...../अ-20(3)/2024-25

ईश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक राजेन्द्र कुमार तिवारी आ.स्व. यदूनंदन तिवारी निवासी ग्राम बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के पक्ष में दान करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/9/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः-19/8/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

नाम परिवर्तन सूचना

मै शीला सिंह पति स्व. मदन, उम्र 33 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 2, बाजारपारा, जयनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) मैं शपथपूर्वक कथन करती हूं कि मै उपरोक्त पते कि स्थाई निवासी हूं। मेरे शैक्षणिक दस्तावेज 5 वीं, 8 वीं, के अंकसूची, राशन कार्ड, निर्वाचन कार्ड में मेरा नाम शीला सिंह अंकित है, जो कि उक्त दस्तावेत में अंकित मेरा नाम सही है, परन्तु मेरा आधार कार्ड में मेरा नाम पिंकी पनिका हो गया है। मेरे शैक्षणिक दस्तावेज 5 वीं. 8 वीं, के अंकसूची, राशन कार्ड, निर्वाचन कार्ड में अंकित मेरे सही नाम के आधार पर मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सुधारकर पिंकी पनिका के स्थान पर शीला सिंह किये जाने हेतु स्वयं का शपथ पत्र निष्पादित कर रहीं हूं।

जिस हेतु मैं स्वयं का शपथ पत्र निष्पादित कर रही हूं।

भवदीय
शीला सिंह
पति स्व. मदन
निवासी-वार्ड क्र. 2, बाजारपारा, जयनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालयः- श्रीमान् द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
प्रो. नं.-1365/25
व्यव.वा.प्र.क्र. 85 अ/2025
आगामी पेशी तिथि 15.09.2025

स्वामी भगवतानन्द वादी ..... /

प्रति
छ.ग. शासन द्वारा कलेक्टर ...../ प्रतिवादीगण

नोटिस / ईश्तहार

बनामः -

01. आम जनता

आपको नोटिस / ईश्तहार के माध्यम सूचित किया जाता है इस न्यायालय में वादी/आवेदक द्वारा आपके के विरूद्ध व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक-85 अ/2025, स्वामी भगवतानन्द प्रति छ.ग. शासन द्वारा कलेक्टर न्यायालय द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के समक्ष आवेदक स्वामी भगवतानन्द निवासी ग्राम चटिरमा पोस्ट राघवपुरी थाना गांधीनगर तह. अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ.ग.का निवासी है जो सभी दस्तावेजों में आवेदक का नाम जलाद बरन मण्डल लिखा हुआ है जो कि आवेदक स्वामी भगवतानन्द एवं जलाद बरन मण्डल एक ही व्यक्ति है अतः उसे स्वामी भगवतानन्द महाराज लिखा व पढ़ा जाने के लिए न्यायालीय प्रकरण में नोटिस/ईश्तहार का प्रकाशन कराया जा रहा है।

अतः आपको इस नोटिस/ईश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि पेशी दिनांक-15.09.2025 को न्यायालयीन समय दिनांक में 11.00 बजे उपस्थित होकर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता/अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। नियत दिनांक को उपस्थित न होने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। उक्त तिथि को सार्वजनिक अवकाश होने की दशा में अथवा किन्हीं कारणवश न्यायालयीन स्थगित होने पर प्रकरण की सुनवाई अगामी कार्य दिवस पर होगी।

आज दिनांक 19/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

(अरिन्दम नेरल)
न्याया.-द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2, अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)

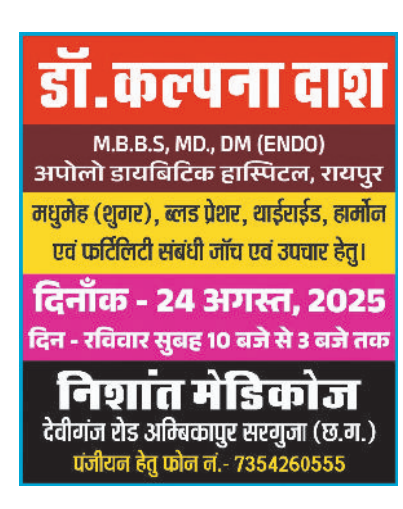

खबर संक्षेप

विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय को गिरा छत का प्लास्टर, कर्मचारी घायल

भैयाथान। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के छत का प्लास्टर गिरने से एक बड़ा हादसा टल गया। कार्यालय का छत काफी जर्जर हो चुका था वहां कार्यरत महिला कर्मचारी पुष्पलता तिवारी के सिर में गिरने से गंभीर चोटे लगी है। घायल महिला कर्मचारी को अन्य कर्मचारियों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। घटना उस समय हुई, जब महिला कर्मचारी अपने दैनिक कार्य में व्यस्त थी। चिकित्सकों के अनुसार, महिला को सिर में चोटें आई हैं और उनका इलाज चल रहा है। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। यह हादसा कार्यालय भवन की बदहाल स्थिति को उजागर करता है। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों का कहना है कि बीईओ कार्यालय का भवन लंबे समय से जर्जर हालत में है और इसकी मरम्मत के लिए कई बार प्रशासन को सूचित किया गया था, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस घटना ने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कार्यालय भवन की तत्काल मरम्मत की जाए। हालांकि विकासखंड शिक्षा अधिकारी फुल साय मराबी ने घटना के बाद जिले के कलेक्टर से मिलकर वस्तु स्थिति से अवगत कराया मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए है।

पानी में गई बछिया को निकालने के दौरान डूबकर युवक की मौत

वाड्रफनगर। तालाब में गई बछिया को निकालने के दौरान डूबकर युवक की मौत हो गई। युवक के शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि ग्राम बरतीकला निवासी 19 वर्षीय चैन कुमार सारथी आ. रामप्यारे सारथी की बछिया पंचायत भवन के समीप स्थित तालाब में चली गई थी। बछिया गहरे पानी में थी जिससे युवक को उसके डूबने की आशंका हुई जिसके बाद युवक खुद बछिया को बाहर निकालने के लिए तालाब में चला गया और डूब गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे परिजन व ग्रामीणों ने युवक को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया है। इस घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा असर

विकासखंड प्रतापपुर क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था चरमराई, कई स्कूलों में नदारद रहते हैं शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

प्रदेश सरकार शिक्षा के उत्थान तथा गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए न सिर्फ गंभीर है बल्कि कई योजनाएं संचालित कर हर वर्ष लाखों रुपए खर्च कर रही है। विकासखंड प्रतापपुर क्षेत्र में कई प्राथमिक पाठशाला संचालित है और बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ाई करते है। हैरानी की बात तो यह है कि कई स्कूलों में शिक्षक नदारत रहते है जिससे न सिर्फ बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है बल्कि स्कूल में मिलने वाले मध्याह्न भोजन के सही तरीके से वितरण नहीं होने पर बच्चे पौष्टिक आहार से भी वंचित हो रहे है। ऐसा नहीं है कि स्कूलों में शिक्षक की अनुपस्थिति की जानकारी विभाग के अधिकारियों को नहीं है परंतु शिक्षकों के विरूद्ध किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने से उनके हौसले बुलंद है। जिसका खामियाजा स्कूल में पढ़ाई करने वाले बच्चों को भुगतना पड़ रहा है।

खास बात

- मध्यान्ह भोजन योजना का क्रियान्वयन प्रभावित, पौष्टिक आहार से बच्चे वंचित

स्कूल के सामने बच्चों के साथ अभिभावक।

विकासखंड प्रतापपुर क्षेत्र के लगभग सभी ग्राम पंचायतों में प्राथमिक पाठशाला संचालित है। जहां गांव के बच्चे पढ़ाई करते है। बच्चों का उज्जवल भविष्य हो और बेहतर शिक्षा ग्रहण कर सके इसके मद्देनजर शासन प्रशासन द्वारा कई योजनाएं संचालित है। बच्चों की पढाई में रूचि बढ़े इसके लिए बस्ता, कापी-किताब के अलावा अन्य संसाधन उपलब्ध कराई जाती है। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की सुविधा के लिए पर्याप्त व्यवस्था है लेकिन अगर शिक्षक ही नदारद रहे तो पढ़ाई पर कितना असर पड़ता है यह आसानी से समझा जा सकता है। प्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोरगी प्राथमिक पाठशाला, प्राथमिक शाला ढलमेला और नीलकंठपुर स्थित प्राथमिक पाठशाला ऐसे है जहां शिक्षक तो पदस्थ है कि लेकिन महीनों से नदारद रहते है। शिक्षक के अनुपस्थिति के कारण बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। गांव के सरपंच शम्भू सिंह नेताम, केला पंडो सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि छत्तीसगढ़ शासन शिक्षा के उत्थान पर प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन प्रतापपुर विकासखंड की सच्चाई इससे विपरीत है। आदिवासी बाहुल्य और जंगली क्षेत्र होने का फायदा अधिकारी–कर्मचारी उठा रहे है। ऐसे में अब विकासखंड शिक्षा अधिकारी की भूमिका सवालों के घेरे में है। लगभग सात वर्षों से प्रतापपुर में जमे बीईओ पर पहले भी कई बार गंभीर शिकायतें हो चुकी हैं। शासन की मंशा है कि आदिवासी अंचल के बच्चों तक बेहतर शिक्षा मिले लेकिन विभाग के अधिकारी व शिक्षकों की लापरवाही के कारण बच्चों की पढ़ाई तो प्रभावित हो रही है वहीं मध्यान्ह भोजन योजना का सही क्रियान्वयन नहीं होने तथा कागजों पर ही मीनू सीमित है जिससे बच्चे पोषण आहार से वंचित हैं।

नए शिक्षक की मांग, सौंपा ज्ञापन

ग्राम पंचायत गोरसी के ग्रामीणों ने स्कूलों में शिक्षक की अनुपस्थित होने पर जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा तथा नए शिक्षक की मांग की है। ग्रामीणों ने सौंपे गए ज्ञापन में बताया है कि माध्यमिक शाला बासमुट्ठा में पदस्थ शिक्षक महीनों से स्कूल नहीं आते है। यहीं हाल प्राथमिक शाला ढलमेला और नीलकंपुर का है। शिक्षकों के अनुपस्थिति के कारण बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। गांव के सरपंच शंभू सिंह नेताम, केला पंडो सहित ग्रामीणों का कहना है कि यदि ऐसे हालात बने रहे तो शिक्षा का स्तर और भी गिर जाएगा। ग्रामीणों ने लापरवाह शिक्षकों को सेवा से मुक्त कर नए शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की है।

मामले की करती हूं जांच

माध्यमिक व प्राथमिक शाला में शिक्षक अनुपस्थित रहते है तो इसकी जांच करूंगी। साथ ही ग्रामीणों के बयान के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

-भारती वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी

खदानों में कार्यरत खनन पर्यवेक्षकों को प्रभार भत्ता देने की मांग हुई तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

एसईसीएल के खदानों में कार्यरत खनन पर्यवेक्षकों के हितों को लेकर संयुक्त कोयला मजदूर संघ, एटक ने बड़ा मुद्दा उठाया है,संघ के केंद्रीय महासचिव अजय विश्वकर्मा ने एसईसीएल एसईसीएमडी को पत्र लिखकर मांग की है कि खनन पर्यवेक्षकों को शीघ्र प्रभार भत्ता प्रदान किया जाए, श्री विश्वकर्मा ने पत्र में उल्लेख किया है कि कुछ माह पूर्व एसईसीएल मुख्यालय ने खनन पर्यवेक्षकों को प्रभार भत्ता देने का आदेश जारी किया था, लेकिन बाद में अचानक उसे निरस्त कर दिया गया,इस फैसले से हजारों खनन पर्यवेक्षक बेहद निराश और हताश हैं।

- एटक श्रमिक यूनियन ने एसईसीएल सीएमडी को लिखा पत्र, पत्र में ईसीएल कम्पनी द्वारा पर्यवेक्षकों के सम्बन्ध में जारी आदेश का किया गया जिक्र

एटक के केंद्रीय महासचिव अजय कुमार विश्वकर्मा और अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने प्रबंधन को लिखे पत्र में स्पष्ट किया है कि ईसीएल कम्पनी ने हाल ही में अपने सभी खनन पर्यवेक्षकों को प्रभार भत्ता देने का आदेश जारी किया है। ईसीएल कार्यालय 19 अगस्त 2025 के जारी आदेश के अनुसार सभी उत्पादक खदानों और इकाइयों के पर्यवेक्षकों को प्रतिदिन 1 घंटे का प्रभार भत्ता देने की व्यवस्था की गई है,पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि ईसीएल को वर्ष 2025-26 में 59 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य मिला है , जबकि एसईसीएल को 212 मिलियन टन का विशाल लक्ष्य हासिल करना है, ऐसे में खनन पर्यवेक्षकों की भूमिका बेहद अहम है, क्योंकि यही फ्रंटलाइन पर रहकर उत्पादन और सुरक्षा दोनों की जिम्मेदारी संभालते हैं, श्रमिक संघ का तर्क है कि यदि इन पर्यवेक्षकों को प्रभार भत्ता दिया जाएगा तो इससे उनकी कार्यक्षमता और उत्साह दोनों में वृद्धि होगी और उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने में बड़ी मदद मिलेगी। महासचिव अजय विश्वकर्मा ने कहा कि यह मुद्दा केवल भत्ते का नहीं,बल्कि मेहनतकश पर्यवेक्षकों के सम्मान और अधिकारों का मामला है,शीर्ष प्रबंधन को इस मुद्दे पर अतिशीघ्र ठोस पहल शुरू करनी चाहिए।

अवैध रेत परिवहन करने पर 5 ट्रैक्टर जब्त

बलरामपुर। जिले में कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में अवैध रेत के उत्खनन एवं परिवहन पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अनुभाग कुसमी अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी करूण डहरिया के मार्गदर्शन एवं कुसमी तहसीलदार सुश्री रोंकी एक्का के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर को जब्त किया गया है। ग्राम कोरंधा के बेन गंगा नदी से 5 ट्रैक्टर द्वारा अवैध रूप से रेत उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था। जिसे तहसीलदार की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए जब्त किया है।

सीआईएल के गैर कार्यकारी कर्मचारियों को मिलेगा 12 से 20 हजार रुपए तक सेटलमेंट इन एलाउंस

बिश्रामपुर। कोल इंडिया लिमिटेड ने अपने लाखों गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के हित में एक अहम कदम उठाया है,कंपनी प्रबंधन ने सेटलमेंट इन एलाउंस से जुड़ा नया आदेश जारी करते हुए कर्मचारियों को राहत दी है,इस फैसले से देशभर में कार्यरत लाखों कर्मचारियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, गौरतलब है कि सीआईएल आईएस के निदेशक मंडल ने 31 जुलाई 2025 को आयोजित 481 वीं बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

इसके बाद कंपनी ने औपचारिक आदेश जारी कर दिया है,आदेश के मुताबिक यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है,नए आदेश के अनुसार गैर कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों को उनके अवकाश के समय 12 हजार रुपए से लेकर 20 हजार रुपए प्रति व्यक्ति तक का सेटलमेंट इन एलाउंस दिया जाएगा,यह राशि कर्मचारियों की श्रेणी और स्थिति के अनुसार तय होगी,आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जो गैर कार्यकारी कर्मचारी कंपनी के क्वार्टर या लीज्ड आवास में रहते हैं,उन्हें इस लाभ के लिए विशेष शर्तें पूरी करनी होंगी, ऐसे कर्मचारियों को लाभ पाने के लिए पहले कंपनी क्वार्टर खाली करने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।प्रमाण पत्र जमा करने के बाद ही वे उच्च लाभ के पात्र माने जाएंगे।कर्मचारी संगठन भी इसे एक सकारात्मक निर्णय मान रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से सेटलमेंट इन एलाउंस को लेकर मांगें उठ रही थीं,अब कंपनी ने आदेश जारी कर कर्मचारियों को राहत पहुंचाई है।

श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए पूर्व मंत्री प्रेमसाय सिंह

प्रतापपुर। ग्राम पंचायत गोवर्धनपुर के अंधरुआ में रुद्र महाराज के सानिध्य में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हुआ जिसमें कथा के पांचवे दिन पूर्व मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम शामिल हुए। कथा 16 से 22 अगस्त तक चलेगा। दोपहर 2 बजे प्रारंभ होकर 6 बजे आरती होती है। कान्हा का छठी कार्यक्रम है जिसमें भक्तों की भीड़ काफी ज्यादा होता है। कथावाचक विनय कांत त्रिपाठी के कथा का पूर्व मंत्री समेत सभी भक्तों ने आनंद उठाया और जगत के पालनहार भगवान कृष्ण कन्हैया लाल से क्षेत्र की सुख समृद्धि का कामना की। इस दौरान रामविकाश पटेल, इंद्रदेव पाण्डेय, सचिन वर्मा, नेहरू पटेल, उदय वर्मा, विश्वजीत पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

डीएवी स्कूल में दो दिवसीय नेशनल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन आज से

बिश्रामपुर। नगर के डीएवी पब्लिक स्कूल में 22 और 23 अगस्त को डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 17 डीएवी एवं डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूलों के छात्र-छात्राएं अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे,आयोजन का उद्घाटन समारोह 22 अगस्त को सुबह 10 बजे होगा, इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय महाप्रबंधक व चेयरमैन डीएवी स्कूल बिश्रामपुर डॉ संजय कुमार सिंह होंगे,वहीं समापन समारोह 23 अगस्त को दोपहर 12 बजे होगा, जिसमें विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा,खेलकूद स्पर्धा में डीएवी पब्लिक स्कूल, झिलिमिली पांडवपारा,डीएवी पब्लिक स्कूल भटगांव, चिरमिरी,डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल तिलसिंवा, साकरिया, जमडी, प्रेमनगर, पतरातु,भंवरमाल, कनकनगर, बगीचा, कछौद, कांसाबेल, पंडरीपानी, ओड़गी एवं डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर की टीम हिस्सा लेंगी। इस स्पोर्ट्स मीट में एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस और कई अन्य खेलों की प्रतियोगिताएं होंगी, डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर प्रबंधन ने इस आयोजन को लेकर विशेष तैयारियां की हैं।

मजदूर कांग्रेस ने जीडीसी परीक्षा के लिए पीसीपीओ को सौंपा ज्ञापन

बिश्रामपुर। ट्रैक मेंटेनर की जीडीसी चयन परीक्षा के लिए मजदूर कांग्रेस के महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण से मुलाकात कर अपने बातों को रखा,बिलासपुर जोन के साथ नागपुर,रायपुर बिलासपुर के सैकड़ों ट्रैक मेंटेनर ने पिछले दिनो महत्वपूर्ण बैठक कर जीडीसी परीक्षा में हो रहे देरी से महामंत्री को अवगत कराया,साथ ही ट्रैक मेंटेनर की अन्य कई समस्याओं पर चर्चा की,रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के मिडिया प्रभारी व जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव व करंजी शाखा सचिव पप्पू सिंह ने बताया की ट्रैक मेंटेनर की समस्याओं के निराकरण के लिए इस बैठक में महामंत्री मजदूर कांग्रेस पीतांबर लक्ष्मी नारायण स्वयं नागपुर से बिलासपुर विशेष रूप से पहुंचे थे।सभा में उपस्थित सभी ट्रैक मेंटेनेंर ने जीडीसी परीक्षा के लिए एक स्वर में मांग की जिस पर महामंत्री ने विषय को संज्ञान में लेते हुए उक्त सम्बन्ध में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी पीसीपीओ बिलासपुर से मुलाकात कर उनसे चर्चा की और ट्रैक मेंटेनर द्वारा दिए गये प्रपत्र,डोजियर को प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी को उपलब्ध कराया गया है,बताया गया कि पीसीपीओ बिलासपुर ने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही करने के लिए कहा है,प्राप्त जानकारी अनुसार शीघ्र ही जीडीसी की परीक्षा के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा।इस बैठक में मजदूर कांग्रेस के पदाधिकारी,जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण,जोनल अध्यक्ष दिलीप कुमार स्वाइ,बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री ,नागपुर मंडल समन्वयक इंदल दमेह,जोनल कार्यकारी अध्यक्ष रवि धल ,संयुक्त महामंत्री बी कृष्ण कुमार, कोषाध्यक्ष साईं किरण,अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री शुभम उपाध्याय,अर्बन बैंक डायरेक्टर आरके यादव उपस्थित थे।

निधन

केएन पाण्डेय

अंबिकापुर। शहर के केदारपुर मिशन चौक निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता केएन पाण्डेय का 21 अगस्त को निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे और

विगत 3-4 महीने से बीमार चल रहे थे। वे निर्मल पाण्डेय, नरेन्द्र पाण्डेय अति शा. अधिवक्ता के पिता थे एवं अजय पाण्डेय, जन्मजय पाण्डेय अधिवक्ता के बड़े पिता। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए। उनका अंतिम संस्कार 22 अगस्त को शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा।

शकुंतला रावत

अंबिकापुर। शहर के गोधनपुर निवासी श्रीमती शकुंतला रावत का 61 वर्ष की आयु में 21

अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में किया गया। मुखाग्नि पति मोहरलाल रावत ने दी। वे अपने पीछे तीन पुत्र मुकुल रावत, मिलिन रावत, मिथुन रावत, एक पुत्री मेघा रावत सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई। स्व. शकुंतला रावत अनिल कुमार बारी और प्रवेश बारी की मामी थी।

संजय विश्वकर्मा

अंबिकापुर। गोधनपुर निवासी एसके बॉडी गैरेज के संचालक संजय विश्वकर्मा आ. स्व. रामधनी विश्वकर्मा का बुधवार-गुरूवार की

दरम्यानी रात निधन हो गया, वे 54 वर्ष के थे। वे अपने पीछे दो पुत्र दीपक विश्वकर्मा, कपिल विश्वकर्मा, पुत्री सुमन विश्वकर्मा व नाती-पोता सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए। शुक्रवार को उनका अंतिम संस्कार शहर के शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा।

6 साल पूर्व नैक पीयर टीम ने निरीक्षण में दिया था सी ग्रेड

नैक निरीक्षण के लिए कॉलेजों को प्रेरित करने वाला विवि स्वयं के निरीक्षण को लेकर उदासीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सरगुजा संभाग के महाविद्यालयों को नैक निरीक्षण के लिए प्रेरित करने वाला संत गहिरा गुरू विवि अभी तक विवि का निरीक्षण नहीं करा सका है। विवि प्रशासन द्वारा नैक निरीक्षण को लेकर अभी तक कोई तैयारी भी प्रारंभ नहीं की गई है। ऐसे में निकट भविष्य में विवि का नैक निरीक्षण होने की संभावना भी नहीं है।

खास बात

- निरीक्षण में मिली कमियों को दूर करने नहीं हुई पहल

उच्च शिक्षा विभाग ने सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए निर्धारित समय में नैक निरीक्षण को आवश्यक निर्धारित किया है। नैक निरीक्षण के लिए विभाग ने विश्व विद्यालयों को नोडल एजेंसी तय किया है वहीं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उच्च शिक्षा संस्थानों को नियमित मार्ग दर्शन दे रहे हैं। नैक निरीक्षण से संस्थानों को कोई तात्कालिक आर्थिक लाभ नहीं मिलता है लेकिन नैक पीयर टीम उच्च शैक्षणिक संस्थानों की शिक्षण व्यवस्था नवाचार, शोध कार्य, प्रयोगशाला, पुस्तकालय सहित अन्य शैक्षिक एवं अशैक्षिक गतिविधियों की समीक्षा करती है तथा कमियों को उजागर कर सुधार के लिए प्रेरित करती है। शैक्षिक संस्थान नैक द्वारा बताई गई कमियों को दूर करने के साथ आगामी निरीक्षण के लिए अपने शैक्षिक गुणवत्ता को बनाए रखते है। नैक द्वारा दी गई ग्रेडिंग के आधार पर संबंधित संस्थान की पहचान बनती है।

नहीं बढ़ी सुविधाएं

निरीक्षण के उपरांत नैक ने विवि प्रबंधन को भवन, शैक्षणिक विभागों में फैकल्टी, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, उपकरण, नियमित कर्मचारियों सहित अन्य आवश्यक संसाधनों की कमियां बताई थी। भवन, फैकल्टी नियमित कर्मचारियों की भर्ती एवं पदस्थापना विश्वविद्यालय के बस में नहीं है। फैकल्टी एवं कर्मचारी की नियुक्ति शासन की स्वीकृति के बिना संभव नहीं है। विवि द्वारा पुस्तकालय के लिए लाखों की पुस्तकें खरीदी गई हैं लेकिन भवन के अभाव में पुस्तकें गोदाम की शोभा बढ़ा रही है। राशि के अभाव में भवनों का निर्माण अवरूद्ध हो गया है। पूर्व के निरीक्षण के दौरान इंजीनियरिंग कॉलेज एसजीजीयू शैक्षणिक विभाग अंतर्गत लखनपुर में दाल के भवन में संचालित हो रहा था। अब इंजीनियरिंग कॉलेज तकनीकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित हो रहा है। विवि के शैक्षणिक विभागों की स्थिति में अब तक कोई बदलाव नहीं हो सका है।

समन्वय की कमी

एसजीजीयू के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच आपसी समन्वय की कमी विकास में बड़ी बाधा साबित हो रही है। स्थापना के बाद बीच के कुछ समय को छोड़ दें तो समन्वय की कमी एवं आपसी विवाद को लेकर विवि प्रारंभ से चर्चा में रहा है। समन्वय के अभाव में वरिष्ठ अधिकारी महत्वपूर्ण कार्यों को लेकर आपस में चर्चा तक नहीं करते। पूर्व के अधिकारियों के बीच लम्बे समय तक शिकवा-शिकायत का दौर भी चला है। इस तरह की गतिविधियां विवि के विकास में बाधा बनी हैं।

एसजीजीयू शासन के निर्देश पर परिपालन में अपने संबद्ध महाविद्यालयों को नैक निरीक्षण के लिए नियमित मार्गदर्शन देने के साथ ही उन्हें नैक निरीक्षण के लिए तैयार भी कर रहा है लेकिन अधिकारी विवि के नैक निरीक्षण को लेकर उदासीन नजर आ रहे है। वर्ष 2008 में स्थापना के बाद तत्कालीन कुलपति डॉ.रोहिणी प्रसाद की पहल पर नैक पीयर टीम ने पहली बार वर्ष 2019 में एसजीजीयू का नैक निरीक्षण किया था। प्रथम निरीक्षण में नैक द्वारा एसजीजीयू को सी ग्रेड प्रदान किया गया था। विवि के अधिकारी विवि के शैशवकाल में होने एवं निरीक्षण की तैयारियों का अनुभव नहीं होने को ग्रेडिंग में पिछड़ने का कारण मान रहे थे। तब एसजीजीयू के भकुरा परिसर में भवन निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई थी। अधिकारी निकट भविष्य में भवन की समस्या समाप्त होने एवं निकट भविष्य में विवि के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक विभागों का संचालन स्वयं के भवन में होने का आश्वासन भी टीम को दिया था। नैक निरीक्षण हुए 6 साल हो गए लेकिन विवि द्वारा अभी तक इस संबंध में कोई पहल प्रारंभ नहीं की गई है।

नहीं है मूलभूत सुविधाएं

हमारे पास न तो कैंपस है न ही बैठक के लिए सभाकक्ष । अभी भकुरा परिसर में मेरे बैठने की भी व्यवस्था नहीं हुई है। यूटीडी के विभाग शासकीय भवन के तीन जर्जर कमरों में संचालित हैं। नैक निरीक्षण में दिखाने योग्य हमारे पास आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। निरीक्षण में विवि को मिले ग्रेड में भी सुधार होने की संभावना नहीं है। संसाधन विकसित करने के उपरांत निरीक्षण के लिए नैक टीम को आमंत्रित किया जाएगा।

-प्रो.पीपी सिंह, कुलपति, एसजीजीयू

संगठित समाज ही बढ़ता है आगे : देवनारायण

हरिभूमि न्यूज ⏭ डांड़गांव

जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं सर्व यादव समाज के संभागीय अध्यक्ष देवनारायण यादव के मुख्य अतिथि में जिला स्तरीय कृष्ण जन्म अष्टमी पूजा का आयोजन मैनपाट में किया गया जहां जिले भर से हजारों के संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। इसी बीच बाइक एवं चार पहिया वाहनों की मैनपाट में रैली निकाली गई साथ ही पूरी रात भजन प्रस्तुत किया गया।

- हम सब कृष्ण भगवान के वंशज है जो सौभाग्य की बात है

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिपं उपाध्यक्ष एवं सर्व यादव समाज के संभागीय अध्यक्ष देवनारायण यादव ने कहा कि हमें गर्व है कि हम यदु कुल में जन्म लिए है। हम सब भगवान कृष्ण के वंशज है। जो समाज आज संगठित है वही समाज हर स्तर पर आगे बढ़ता है। राजनीति, सामाजिक, आर्थिक सहित सभी क्षेत्र में हम सब को संगठित रहना जरूरी है। कृष्णा जन्मोत्सव के अवर पर सर्व यादव समाज द्वारा मैनपाठ में विधानसभा स्तरीय बाइक रैली का आयोजन किया गया। कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम हर्षोल्लास के साथ कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। क्षेत्रीय विधायक सीतापुर रामकुमार टोप्पो, देवनारायण यादव, जमुना यादव, शिवनाथ यादव, राम यादव द्वारा मटका फोड़ कार्यक्रम का पूजा अर्चना कर शुरूआत किया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता सबसे ज्यादा आकर्षक रहा। युवाओं की टोलियों ने मटकी फोड़ने का प्रयास करते रहे। मटका फोड़ में प्रथम इनाम 21 हजार, द्वितीय 11 हजार व तृतीय 51 सौ रखा गया था। प्रथम स्थान सीतापुर, द्वितीय स्थान इनाम सपनादर व तृतीय स्थान महिला टीम दिव्या एवं साथी सीतापुर ने हासिल किया। पुरस्कार विधायक सीतापुर रामकुमार टोप्पो द्वारा दिया गया। इस दौरान अनीश यादव, अटल यादव, गणेश यादव, रामेश्वर यादव, संतोष यादव, रामचंद्र यादव, राजाराम यादव, ओंकार नाथ यादव, शिव शंकर यादव, इंद्रजीत यादव, बालनाथ यादव, बाली यादव, जेठू यादव, गणेश यादव, महेश यादव, सुग्रीव यादव, गुलाब यादव, पारस यादव, मनोज यादव, रमेश यादव, सत्येंद्र यादव, शिवकुमार यादव सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित थे।

बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु ओड़गी विद्यालय में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

ओड़गी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। यह कार्यक्रम 19 अगस्त से 15 सितम्बर तक जिले के सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों में चलाया जाएगा। ब्लॉक ओडगी में इसका शुभारंभ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओडगी से हुआ। मुख्य प्रशिक्षक महिला पर्यवेक्षक श्रीमती रोशनी पटले ने छात्राओं को न केवल आत्मरक्षा बल्कि जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण के अंतर्गत बालिकाओं को यह बताया गया कि उन्हें सुरक्षित वातावरण, शिक्षा प्राप्त करने, अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने और भेदभाव से मुक्त जीवन जीने का मौलिक अधिकार प्राप्त है। साथ ही उन्हें प्रमुख कानूनी प्रावधानों से भी अवगत कराया गया कि पोस्को एक्ट अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है और प्रत्येक मामले में त्वरित न्याय सुनिश्चित करता है। छात्राओं को यह स्पष्ट किया गया कि यदि कभी उनके अधिकारों का उल्लंघन होता है तो शिकायत करने और न्याय पाने के लिए सशक्त मंच उपलब्ध हैं। बालिकाओं को विद्यालय, घर और समाज में सुरक्षित रहने के उपाय बताए गए। उन्हें आत्म-सुरक्षा तकनीकों के साथ-साथ डिजिटल सुरक्षा और सोशल मीडिया पर सावधानी रखने की जानकारी दी गई। शारीरिक स्वास्थ्य की देखभाल हेतु स्वच्छता, संतुलित आहार, व्यायाम और समय पर स्वास्थ्य जांच की महत्ता समझाई गई। किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों के बारे में जानकारी दी गई। स्वच्छता, पोषण और नशा-मुक्त जीवन पर विशेष बल दिया गया। छात्राओं को तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास बढ़ाने और सकारात्मक सोच अपनाने के उपाय बताए गए। उन्हें यह संदेश दिया गया कि मानसिक रूप से मजबूत रहना जीवन की हर चुनौती का सामना करने के लिए सबसे जरूरी है। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ, छात्राएं और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता में उज्जवल युवा क्लब ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजगंज

विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा नगर के गांधी मैदान में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का विशाल आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता के विशेष उपस्थिति में आयोजित किया गया। 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 25 फीट की ऊंचाई पर बांधे गए मटका को ग्राम पीपरोल के उज्जवल युवा क्लब द्वारा फोड़ा गया। जिन्हें 18 हजार रुपए की नगद राशि प्रदान की गई। मटकी फोड़ प्रतियोगिता के दौरान हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे मटकी फोड़ने तक रोमांचकारी मटकी फोड़ प्रतियोगिता को देखने डटे रहे।

विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष जस्सू केसरी के नेतृत्व में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने आयोजन की जमकर सराहना की। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि हिंदू समाज को संगठित करना, एकजुट करना और हिंदू धर्म की सेवा और रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से पूरे जिले में कार्यकर्ताओं द्वारा कार्य किया जा रहा है वह सराहनीय है। आयोजक जस्सू केसरी ने कहा कि विगत कई वर्षों से मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाता रहा है। आयोजन में लोगों की उमड़ने वाली भीड़ हमारे कार्यक्रम की सफलता का परिचायक है।

श्री केसरी ने बताया कि आयोजन को लेकर कई दिन पूर्व से व्यापक स्तर में तैयारी की जारी थी पूरे गांधी मैदान को भव्य रूप से सजाया गया था एवं मटकी फोड़ सुरक्षात्मक तरीके से संपन्न हो इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। रात्रि 1 बजे के करीब 5 घंटे के मशक्कत के बाद ही मटकी फोड़ा जा सका मटकी फोड़ प्रतियोगिता में पांच टीमों ने भाग लिया गया था।

बंशीपुर की टीम ने मटका फोड़ कर जीता विजेता का खिताब

करवां। कान्हा युवा मंच द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर करवां सरकारी पारा दशहरा मैदान में दही-हंडी मटका फोड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। मैदान में सुबह से ही उत्साह और रोमांच का माहौल देखने को मिला। बंशीपुर की टीम ने मटका फोड़ प्रतियोगिता अपने नाम की। कार्यक्रम का शुभारंभ भटगांव के पूर्व विधायक श्री पारसनाथ राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में भगवान श्री कृष्ण के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि श्री राजवाड़े ने क्षेत्र वासियों को प्रेम और स्नेह सत्य की जीत का प्रतीक कृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आयोजन अब हमें ग्रामीण स्तरों पर भी देखने को मिल रहा है जिसमे पूरे टीम की एकता बल से हम किसी भी लक्ष्य को भेद कर सकते हैं। भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव एवं बाल लीलाओं का वर्णन कर सभी को सत्कर्म करने का संदेश दिया।

प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से आए चार टीमे बंशीपुर, सिलफिली, मदनपुर, बुंदिया के युवाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बंशीपुर की टीम ने मटका फोड़ कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। आयोजन समिति द्वारा विजेता टीम को 5100 नगद इनाम प्रदान किया गया। इस दौरान आयोजन समिति के अध्यक्ष अरुण सिंह, लुकेश जायसवाल, चंद्र देव, अरविंद दुबे, दिल साय, देव, ध्रुव, लव, सूरज, निलेश सहित समिति के अन्य सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

पार्षद निधि से खरीदे गए दर्जनों बेंच का नहीं हुआ उपयोग, कबाड़ में हो रहे तब्दील

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

नगर पंचायत बिश्रामपुर में पिछले कार्यकाल में काफी संख्या में खरीदी गईं स्टील व लोहे की बेंच आज पर्यंत उपयोग में नहीं लाई जा सकी हैं। अब भी बड़ी संख्या में बेंच नगर के आरटीआई कॉलोनी स्थित एसएलआरएम सेंटर में रखी हुई हैं जो खस्ताहाल में पड़े रह जाने से बिना उपयोग के ही धीरे धीरे में कबाड़ में तब्दील हो रही है।गौरतलब है कि नगर पंचायत के पिछले कार्यकाल में पार्षद निधी से बड़ी संख्या में स्टील व लोहे के बेंच की खरीदी हुई, इसमें मनमाने तरीके से सामान्य मार्केट दर की तुलना में कई गुना अधिक दर पर स्टील बेंच की खरीदी की गई और इसको मात्र कुछ ही गिने चुने जगहों पर लगवाकर इस कार्य की दस्तावेजों में खानापूर्ति कर दी गई,जबकि इसे निकाय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों अंतर्गत जरुरत की जगहों पर स्थापित किया जाना था जिससे कि वार्ड वासी इसका लाभ ले सकें, लेकिन कई कामों की तरह बेंच सप्लाई कार्य भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, सूत्रों ने बताया कि अगर स्टील बेंच खरीदी की बारीकी से जांच हो तो बड़ा घोटाला सामने आएगा,साथ ही जितनी संख्या में बेंच खरीदे गए हैं और किस किस जगह पर इसे स्थापित कराया गया है तो इसमें भी बड़ी गड़बड़ी सामने आ जाएगी,इनमें से खरीदी किए गए कई बेंच मौके से गायब कर दिए गए हैं।वर्तमान में कचड़ा सेंटर में रखे गए दर्जनों स्टील व लोहे के बेंच पड़े रहकर कबाड़ में बदलने लगे हैं।यदि इन्हें निकाय क्षेत्र में लगा दिया जाता तो इसका लाभ निकाय वासियों को मिल सकता था।

- काफी संख्या में बेंच मौके से हुए गायब

एसएलआरएम सेंटर में पड़े चेयर।

पार्षद निधि का किया गया दुरुपयोग

बताया गया कि पार्षदगण राज्य शासन से मिलने वाले सालाना निधि का उपयोग अधिकांश खरीदी कार्य में करते हैं, इस मामले में शासन की स्पष्ट गाइड लाइन निर्धारित है लेकिन सीएमओ और अध्यक्ष से मिलीभगत कर अनुशंसा के जरिए खरीदी कार्य का भुगतान नियम विरुद्ध तरीके से कर दिया गया है।

जिला क्रिकेट टीम की चयन तिथियां घोषित, 24 से ट्रायल

अम्बिकापुर। सरगुजा जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में अंडर-14 का 24 अगस्त, अंडर-16 का 14 सितंबर ट्रायल होंगे, जिसमें क्रमशः 1 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2013 और 1 सितंबर 2010 से 31 अगस्त 2012 के बीच जन्मे खिलाड़ी शामिल होंगे। अंडर-19 का ट्रायल 31 अगस्त को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 1 सितंबर 2007 से पूर्व जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। अंडर-23 और सीनियर ट्रायल 7 सितंबर को होंगे, अंडर-23 के लिए कट-ऑफ डेट 1 सितंबर 2003 से 31 अगस्त 2007 के बीच है। खिलाड़ियों को छह साल की मार्कशीट, डिजिटल जन्म प्रमाणपत्र, पीवीसी आधार कार्ड, जिले का मूल निवास प्रमाणपत्र और हाल की पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो अनिवार्य रूप से साथ लाना है। खिलाड़ियों को सफेद ड्रेस में उपस्थित होना है। यदि खिलाड़ी या उसके अभिभावक सरकारी नौकरी में हैं, तो जिले में कम से कम छह माह का कार्यकाल होना जरूरी है। खास बात यह है कि ट्रायल के बाद चयनित सभी बच्चों का विशेष कैंप लगाया जाएगा, जिसमें चयनित खिलाड़ियों के बीच आपसी मैच कराए जाएंगे। इन मैचों और कोचिंग स्टाफ के मूल्यांकन के आधार पर 15 प्रतिभाशाली बच्चों का अंतिम चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी सरगुजा जिले की ओर से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस ट्रायल में संजय सिंह एवं विवेक सिंह चयनकर्ता होंगे। संघ के अध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने बताया कि फिटनेस अब खिलाड़ियों के लिए विकल्प नहीं, बल्कि सफलता के लिए अनिवार्य आवश्यकता है। नियमित फिटनेस कैंप और निष्पक्ष चयन से सरगुजा जिला क्रिकेट को नई प्रतिभाएं मिलेंगी।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना

हरिभूमि

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

रिंग रोड चोपड़ापारा, काली मंदिर के पास उड़िया
पण्डित काम्पलेक्स अम्बिकापुर मो. 9826154736